web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 27 फरवरी 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 151

पीएम मोदी ने 2000 से अधिक रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को किया समर्पित

❑ 41 हजार करोड़ रुपए होंगे खर्च

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 फरवरी को देश की जनता को एक बड़ी सौगात देते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 41 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लगभग 2,000 रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में 2021 जगहों से करीब 40 लाख लोग जुड़े थे। इसमे 11 जगहों से मुख्यमंत्री समेत अन्य विशिष्ट लोग शामिल थे।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। इस प्रयास के तहत एक बड़े कदम के रूप में प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 553 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया। 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित इन स्टेशनों का 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया जाएगा। ये स्टेशन शहर के दोनों किनारों को एक साथ मिलाते हुए 'शहर के केंद्र' के रूप में कार्य करेंगे।

इन स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध होगी। इनमें छत प्लाजा, सुंदर भूदृश्य, इंटर मॉडल कनेक्टिविटी, बच्चों के खेलने का क्षेत्र, कियोस्क, फूड कोर्ट आदि शामिल हैं। साथ ही, इन्हें पर्यावरण और दिव्यांगों के अनुकूल पुनर्विकसित किया जाएगा। इन स्टेशन भवनों का डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा।

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में गोमती नगर स्टेशन का उद्घाटन किया। लगभग 385 करोड़ रुपये की लागत से इसका पुनर्विकास किया गया है। भविष्य में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान सुविधाओं को अलग कर दिया गया है। यह शहर के दोनों हिस्सों को जोड़ता है।

इस केंद्रीय वातानुकूलित स्टेशन में आधुनिक यात्री सुविधाएं जैसे कि एयर कॉनकोर्स, कंजेशन फ्री सर्कुलेशन, फूड कोर्ट और ऊपरी व निचले बेसमेंट में पर्याप्त पार्किंग स्थान है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 1500 रोड ओवरब्रिज और अंडरपास भी राष्ट्र को समर्पित किया। ये रोड ओवरब्रिज व अंडरपास 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित हैं। लगभग 21,520 करोड़ रुपये की लागत से इन परियोजनाओं का निर्माण किया गया है। इन परियोजनाओं से भीड़ कम होगी, सुरक्षा व कनेक्टिविटी बढ़ेगी और रेल यात्रा की क्षमता व दक्षता में सुधार होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों और 1500 रेल फ्लाइओवर तथा अंडर पास निर्माण कार्यों का किया वर्चुअल उद्घाटन एवं शिलान्यास

❑ राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन कार्यक्रम में हुए शामिल

❑ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती रेल नेटवर्क प्रणाली है- राज्यपाल

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों एवं 1500 फ्लाइओवर और अंडर पास निर्माण कार्यो का उद्घाटन एवं शिलान्यास वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इनमें 2700 करोड़ रूपये की लागत से छत्तीसगढ़ के 21 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और 83 रोड ओवर ब्रिज व अंडर ब्रिज का निर्माण भी शामिल हैं। इस अवसर पर रायपुर रेलवे स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद रायपुर सुनील सोनी उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल हरिचंदन अपने उद्बोधन में कहा कि इस वर्ष के रेल बजट में हमारे राज्य को केंद्र सरकार द्वारा 6 हजार 896 करोड़ से अधिक का बजट आवंटित किया गया है। यह वर्ष 2009 से वर्ष 2014 के बीच दिए गए औसतन बजट के मुकाबले 22 गुना है। दुर्ग एवं रायपुर दोनों स्टेशनों को पुनर्विकसित कर विश्वस्तरीय बनाने की योजना है। राज्य में वन्दे भारत ट्रेन भी चल रही हैं। राज्य में रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प का जो अभियान चल रहा है उसके अंतर्गत 32 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य तीव्र गति से चालू है।

राज्यपाल ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि छत्तीसगढ़ का रेल नेटवर्क 100 फीसदी विद्युतीकृत हो चुका है। राज्य में बीते 10 वर्षों में प्रतिवर्ष औसतन 162 किलोमीटर रेल नेटवर्क का विस्तार हुआ जो कि वर्ष 2009 से 2014 की तुलना में कई गुणा ज्यादा है। इसके अतिरिक्त आनेवाले 3 से 5 साल में छत्तीसगढ़ में 36 हजार 968 करोड़ रुपए उन्नयन के लिये खर्च किये जाएंगे।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 41 हजार करोड़ रुपए लागत की रिकॉर्ड 2000 से अधिक रेल परियोजनाओं की देशवासियों को सौगात दी है। यह इतना आसान नहीं था, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा रेलवे में किए गए रिकॉर्ड निवेश के कारण आज हम सब इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बने है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्कूली बच्चों के लिए निबंध, कविता, भाषण, प्रतियोगिताएं आयोजित गई थी। इन प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को राज्यपाल ने पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए।

गौरतलब है कि इस योजना में छत्तीसगढ़ के 21 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है। जिनमें कोरबा, रायगढ़, राजनांदगांव, सरोना, भाटापारा, डोंगरगढ़, भिलाई नगर, हथबंध, बिल्हा, बैकुन्ठपुर रोड, अंबिकापुर, उसलापुर, पेंड्रा रोड, जांजगीर नैला, चांपा, बाराद्वार, दल्लीराजहरा, भानुप्रतापपुर, निपनिया, मंदिरहसौद, भिलाई के स्टेशनों का पुनर्विकास किया जायेगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

6 आईएएस अधिकारियों का तबादला

रायपुर (आरएनएस)। राज्य सरकार ने 6 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। जिसमें 3 जिलों के कलेक्टर भी बदले गए है। उक्त आदेश सोमवार शाम सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार कुमार लाल चौहान कलेक्टर सांरगढ़-बिलाईगढ़ को कलेक्टर बलौदाबाजार-भाटापारा बनाया गया है। धर्मेश कुमार साहू प्रबंधक वेयरहाउसिंग कार्पोरेशन लिमिटेड रायपुर को कलेक्टर सांरगढ़-बिलाईगढ़ बनाया गया है। चंदन कुमार कलेक्टर बलौदाबाजार-भाटापारा को विशेष सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग बनाया गया है। प्रियंका ऋषि महोबिया कलेक्टर गौरेला-पेण्ड्रा-मारवाही को संचालक पंचायत के पद पर पदस्थ किया गया है। लीना कमलेश मंडावी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा को कलेक्टर गौरेला-पेण्ड्रा-मारवाही बनाया गया है। वहीं प्रतीक जैन अपर आयुक्त वाणिज्यिक कर (जीएसटी) को मुख्य कार्यपालन अधिकारी रायपुर विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

तहसीलदारों को मिली नई पदस्थापना

बिलासपुर-रायपुर (आरएनएस)। बिलासपुर में पदस्थ तहसीलदार व नायब तहसीलदारों को नई पदस्थापना दी गई है। इसके तहत आकाश गुप्ता अतिरिक्त तहसीलदार बिलासपुर को तहसीलदार रतनपुर, गरिमा ठाकुर तहसीलदार रतनपुर को अतिरिक्त तहसीलदार बिलासुर, हितेश कुमार साहू नायक तहसीलदार बिलासपुर को नायब तहसीलदार बेलतरा तथा सुनेहा विश्वकर्मा नायक तहसीलदार बेलतरा को नायब तहसीलदार बिलासपुर बनाया गया है।

एसयूवी और लॉरी की जबरदस्त भिड़ंत, पांच लोगों की मौत

कडपा,/आंध्रप्रदेश (आरएनएस)। आंध्रप्रदेश के कडपा में रविवार को एक एसयूवी और लॉरी की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। क्षेत्र निरीक्षक एन शेखर ने कहा कि अन्नामय्या जिले के मदनपल्ले मंडल के बारलापल्ले गांव में एसयूवी दो पैदल यात्रियों को टक्कर मारने के बाद एक लॉरी से टकरा गई। एसयूवी में सवार पांच लोग कडपा की ओर जा रहे थे। चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। एसयूवी में सवार तीन लोगों की तुरंत मौत हो गई। मृतकों की पहचान तिलक, विक्रम और श्रीनु के रूप में हुई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में दो पैदल यात्री चंद्रा (50) और सुब्रमण्यम (62) की भी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक डेयरी किसान थे। तीनों घायलों को मदनपल्ले के जीजीएच में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है।

बिना ड्राइवर के मालगाड़ी चलने के मामले में स्टेशन मास्टर समेत 6 सस्पेंड

जालंधर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ से मालगाड़ी (14806क्र) बिना ड्राइवर-गार्ड के 78 किलोमीटर का सफर तय करके पंजाब पहुंच गई थी। उस मामले में रेलवे विभाग ने कार्रवाई करते हुए कठुआ रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर, लोको पायलट, सहायक लोको पायलट सहित 6 लोगों को सस्पेंड कर दिया है। पूरे मामले की जानकारी फिरोजपुर डिवीजन के डीआरएम संजय साहू ने दी है। ष्ठक्ररू संजय साहू ने बताया कि कड़ी मशक्कत और प्लानिंग के साथ गाड़ी को रोका गया। उन्होंने कहा अभी तक जो कमेटी बनाई गई है पता लगाने में जुटी हुई है कि आखिरकार बंद इंजन होने के बावजूद क्रेशर मालगाड़ी कठुआ रेलवे स्टेशन से चलकर ऊंची बस्सी तक कैसे पहुंची। उल्लेखनीय है कि ऐसा ही एक मामला साल 2020 में झारखंड से सामने आया था। एक मालगाड़ी बरसुआ रेलवे स्टेशन पर खड़ी थी। इस दौरान ट्रेन अचानक रोल होना शुरू हुई। इसके बाद ट्रेन ट्रेन पीछे की तरफ चलते हुए बिमलगढ़ रेलवे स्टेशन की तरफ बढऩे लगी और 100 की रफ्तार पर दौडऩे लगी।

बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर, छह मजदूरों की मौत

जौनपुर (आरएनएस)। जिले के प्रयागराज हाईवे पर रोडवेज बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में ट्रॉली सवार छह मजदूरों की मौत हो गई और एक घायल हो गया है। घटना बीती देर रात की है। थाना सिकरारा अंतर्गत समाधगंज बाजार के पास जौनपुर-प्रयागराज हाईवे पर मकान ढालने वाले लगभग सात मजदूर ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार थे। प्रयागराज की तरफ से आ रही रोडवेज बस ने टक्कर हुई तो ट्राली असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में टैक्टर ट्रॉली पर सवार छह लोगों की मृत्यु हो गई तथा एक गंभीर रुप से घायल हो गया है। मृतक मजदूरों में 30 वर्षीय अतुल सरोज पुत्र रामशंकर निवासी बीरभानपुर थाना बक्सा , 45 वषीय राजेश सरोज पुत्र तेज बहादुर , निवासी अलिशाहपुर थाना सिकरारा , 25 वषीय संग्राम विश्वकर्मा पुत्र राजेश निवासी अलिशाहपुर थाना सिकरारा , 30 वषीय गोविन्दा बिंद पुत्र रामचंदर बिंद निवासी बटाऊवार थाना सिकरारा 20 वषीय छाई मुसहर निवासी अलिशाहपुर थाना सिकरारा तथा नीरज सरोज पुत्र पुन्नीलाल नवासी अलिशाहपुर थाना सिकरारा जिला जौनपुर। जबकि घायल मजदूर पंकज सरोज पुत्र उजागीर 31 वर्षीय निवासी अलिशाहपुर थाना सिकरारा की स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई हैं। घटना की सूचना पर थाना सिकरारा पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल को इलाज हेतु सीएचसी मछलीशहर भेजा गया। मृतकों के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। अधिकतर मजदूर सिकरारा थाना क्षेत्र के अलीशाहपुर गांव के हैं। एक मृतक बक्शा क्षेत्र के बिरपालपुर गांव का निवासी है। सभी मजदूर रात में मकान की ढलाई कर ट्रैक्टर ट्राली से घर वापस आ रहे थे। घटना के बाद बस चालक पेट्रोल पंप पर बस खड़ी कर फरार हो गया। वहीं बस में सवार रुद्रपुर देवरिया निवासी महिला यात्री सरोज घायल हो गई जिनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। हादसे को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम तत्काल पहुंची और घायल को अस्पताल भेजा गया। मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

ज्ञानवापी के व्यासजी तहखाने में जारी रहेगी पूजा : इलाहाबाद हाईकोर्ट

वाराणसी (आरएनएस)। ज्ञानवापी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज करते हुए व्यास तहखाने में हिंदू पक्ष की पूजा को जारी रखने का आदेश दिया है। इससे पहले वाराणसी जिला अदालत ने भी इस मामले में हिंदुओं के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसके खिलाफ ही मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद हाई कोर्ट पहुंचा था। हालांकि, यहां से भी मुस्लिम पक्ष को निराशा ही हाथ लगी और इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में हिंदुओं की पूजा का अधिकार सुरक्षित रखा।

हाईकोर्ट ने हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद पहले ही फैसला सुरक्षित रख लिया था। अंजुमन इंतजामिया कमेटी की तरफ से वाराणसी कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें पूजा पर स्टे लगाने की बात कही गई थी। मुस्लिम पक्ष का दावा था कि डीएम को वाराणसी कोर्ट ने रिसीवर नियुक्त किया है, जो पहले से काशी विश्वनाथ मंदिर के सदस्य हैं। इसलिए उनको नियुक्त नहीं किया जा सकता है। मुस्लिम पक्ष ने यह भी कहा है कि दस्तावेज में किसी तहखाने का जिक्र नहीं है। मुस्लिम पक्ष ने यह भी कहा था कि व्यासजी ने पहले ही पूजा का अधिकार ट्रस्ट को ट्रांसफर कर दिया था। उन्हें अर्जी दाखिल करने का अधिकार नहीं है।

बता दें कि ज्ञानव्यापी मस्जिद के सर्वे के बाद तहखाना खोल दिया गया था। इस मामले में शैलेंद्र कुमार पाठक ने वाद भी दायर किया था, जिसके बाद 31 जनवरी को जिला जज के आदेश पर हिंदू पक्ष को पूजा का अधिकार दे दिया गया था। जिला जज के आदेश के बाद काशी विश्वनाथ ट्रस्ट ने पूजा-अर्चना शुरू कर दी थी। दरअसल, पूजा शुरू होने से पहले इस मामले में हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि नवंबर 1993 से पहले व्यास तहखाने में पूजा-पाठ को उस वक्त की प्रदेश सरकार ने रुकवा दिया था। जिसको शुरू करने का पुन: अधिकार दिया जाए। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट का हवाला देते हुए याचिका को खारिज करने की मांग की थी। लेकिन कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को अस्वीकार करते हुए हिंदू पक्ष को ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पूजा-पाठ का अधिकार दे दिया था।

नहीं रहे मशहूर गजल गायक पंकज उधास, 72 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली (आरएनएस)। मशहूर सिंगर पंकज उधास का आज 72 साल की उम्र में निधन हो गया है। सिंगर पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे। भारतीय संगीत इंडस्ट्री में उनकी तुलना तलत अजीज़ और जगजीत सिंह जैसे अन्य संगीतकारों से होती थी।

पंकज उधास की बेटी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट जारी कर परिवार का स्टेटमेंट जारी किया है। इस पोस्ट में कहा गया, 'अतयंत दुख के साथ, हम आपको बेहद दुख के साथ बता रहे हैं कि पद्मश्री पंकज उधासा का 26 फरवरी 2024 को निधन हो गया है। वो लंबे वक्त से बीमार थे।'

उधास को फिल्म 'नाम' में गायकी से प्रसिद्धि मिली, जिसमें उनका एक गीत 'चिठ्ठी आई है' काफी लोकप्रिय हुआ था। उसके बाद से उन्होंने कई फिल्मों के लिए अपनी सदाबहार आवाज दी। इसके अलावा उन्होंने कई एल्बम भी रिकॉर्ड किये और एक कुशल गजल गायक के रूप में पूरी दुनिया में अपनी कला का प्रदर्शन किया। साल 2006 में प्रंकज उधास को पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

महाराष्ट्र में फिर भडक़ी आरक्षण की आग मराठा प्रदर्शनकारियों ने परिवहन बस को किया आग के हवाले

जालना (आरएनएस)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन उग्र होता जा रहा है। मराठा प्रदर्शनकारियों ने जालना में अंबड तालुका के तीर्थपुरी शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर राज्य परिवहन की बस में आग लगा दी है। मराठा समुदाय मराठा आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा है। एमएसआरटीसी ने कहा है कि महाराष्ट्र राज्य सडक़ परिवहन निगम ने अगली सूचना तक जालना जिले में बस सेवा बंद कर दी हैं। मराठा आंदोलनकारियों द्वारा कथित तौर पर एक बस में आग लगाए जाने के बाद एसपी जालना के सुझाव पर यह कदम उठाया गया है। मराठा आंदोलनकारियों द्वारा कथित तौर पर एक बस में आग लगाए जाने के बाद एमएसआरटीसी के अंबड डिपो प्रबंधक द्वारा एक स्थानीय पुलिस स्टेशन में एक पुलिस शिकायत दर्ज की गई है। कार्यकर्ता मनोज जरांगे द्वारा मराठा आरक्षण के लिए चलाए जा रहे आंदोलन के मद्देनजर कानून-व्यवस्था की स्थिति को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र के जालना जिले के अंबड तालुका में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

जालना के जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल ने आदेश में कहा कि जरांगे ने रविवार को घोषणा की कि वह मुंबई जाएंगे और मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की अपनी मांग को लेकर आंदोलन करेंगे। इसमें कहा गया है कि ऐसी आशंका है कि लोग उन्हें (मुंबई जाने से) रोकने के लिए जालना के अंतरवाली सरती गांव में आ सकते हैं, जहां कार्यकर्ता भूख हड़ताल कर रहे हैं। आदेश में कहा गया है कि भारी भीड़ के कारण धुले-मुंबई राजमार्ग और आसपास के अन्य इलाकों पर यातायात प्रभावित होने की आशंका है।

विदेश मंत्रालय ने भारतीयों की रिहाई के लिए रूसी सेना से मदद मांगने की खबरों का किया खंडन, जारी किया बयान

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि वह रूसी सेना से अपने नागरिकों की रिहाई के लिए सभी प्रासंगिक मामलों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। ये टिप्पणी रूसी सेना से रिहाई के लिए मदद मांगने वाले भारतीयों के संबंध में मीडिया में गलत रिपोर्ट के जवाब में आई। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हमने रूसी सेना से रिहाई के लिए मदद मांगने वाले भारतीयों के संबंध में मीडिया में कुछ गलत रिपोर्टें देखी हैं।

हम रूसी सेना से भारतीय नागरिकों की रिहाई के लिए रूसी अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मॉस्को में भारतीय दूतावास के ध्यान में लाए गए हर एक ऐसे मामले को रूसी अधिकारियों के साथ दृढ़ता से उठाया गया है और मंत्रालय के ध्यान में लाए गए मामलों को नई दिल्ली में रूसी दूतावास के साथ भी उठाया गया है।

बयान में आगे कहा गया है कि इसके चलते, कई भारतीयों को पहले ही रिहाई दे दी गई। पिछले हफ्ते, प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्वीकार किया कि मंत्रालय को कुछ एजेंटों द्वारा भारतीयों की भर्ती के बारे में पता था, जिन्होंने उन्हें रूस-यूक्रेन युद्ध में शामिल होने के लिए धोखा दिया था। एक बयान में, मंत्रालय ने भारतीय समुदाय से रूस-यूक्रेन संघर्ष से दूर रहने का आह्वान किया और उनसे उचित सावधानी बरतने का आग्रह किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुजरात के 23 वर्षीय हेमिल अश्विनभाई मंगुकिया 21 फरवरी को डोनेट्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी हवाई हमले में मारे गए थे। भारतीय अधिकारियों ने अभी तक मंगुकिया की मौत की पुष्टि नहीं की है, जिसे कथित तौर पर रूसी सेना ने सुरक्षा सहायक के रूप में नियुक्त किया था।